ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, सोमवार 17 फरवरी 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 1 अंक 340

भाजपा को एक साल में 4340.47 करोड़ चंदा मिला:51% खर्च किया; कांग्रेस दूसरे नंबर पर, AAP का चंदा भाजपा से 200 गुना कम



24 न्यूज अपडेट

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) ने राष्ट्रीय दलों को मिले चंदे को लेकर सोमवार को रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में भाजपा को सबसे ज्यादा 4340.47 करोड़ रुपए का चंदा मिला है।

दूसरे नंबर पर कांग्रेस को 1225.12 करोड़ रुपए मिले। ADR ने रिपोर्ट में बताया कि पार्टियों को चंदे का बड़ा हिस्सा चुनावी बॉन्ड से मिला है। भाजपा ने अपनी कमाई का कुल 50.96% यानी 2211.69 करोड़ रुपए जबकि कांग्रेस ने अपनी इनकम का 83.69% यानी 1025.25 करोड़ रुपए खर्च किया। AAP को चंदे में 22.68 करोड़ रुपए मिले जबकि पार्टी ने उससे ज्यादा 34.09 करोड़ रुपए खर्च किए। सभी पार्टियों को मिले कुल चंदे का 74.57% हिस्सा अकेली भाजपा को मिला है। बाकी 5 दलों को 25.43% चंदा मिला है।

ज्यादातर चंदा चुनावी बॉन्ड से मिला

चुनावी बॉन्ड से भाजपा को सबसे ज्यादा 1685.63 करोड़ रुपए मिले, जबकि कांग्रेस को 828.36 करोड़ रुपए और AAP को 10.15 करोड़ रुपए मिले। तीनों पार्टियों को चुनावी बॉन्ड के जरिए 2524.1361 करोड़ रुपए, यानी कि अपने कुल चंदे के 43.36% रुपए मिले। हालांकि,सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल मई में इस चंदे को असंवैधानिक बताया था। ADR को RTI से मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक ने बताया कि 2023-24 में कई पार्टियों ने 4507.56 करोड़ रुपए के चुनावी बॉन्ड भुनाए। राष्ट्रीय दलों ने इस फंड का 55.99% यानी 2524.1361 करोड़ रुपए खर्च किया। CPI (M) को 167.636 करोड़ रुपए का चंदा मिला, जिसमें से उसने 127.283 करोड़ रुपए खर्च किए। बहुजन समाज पार्टी (BSP) को 64.7798 करोड़ रुपए मिले और पार्टी ने 43.18 करोड़ रुपए खर्च किए। नेशनल पीपल्स पार्टी (NPeP) को 0.2244 करोड़ रुपए मिले और 1.139 करोड़ खर्च किए।

बैंक जमा पर मिलने वाला इंश्योरेंस-कवर बढ़ा सकती है सरकार:बैंक डूबा तो खाते में 5 लाख से ज्यादा की रकम सुरक्षित



24 न्यूज अपडेट

केंद्र सरकार डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन एक्ट (DICGC) के तहत मिलने वाले इंश्योरेंस कवर को बढ़ा सकती है। वित्त मंत्रालय के अधिकारी के अनुसार इसे 5 रुपए से बढ़ाया जा सकता है। DICGC तहत अभी बैंक के बंद होने या डूबने की स्थिति में ग्राहकों की 5 लाख रुपए तक की रकम सुरक्षित रहेगी। डिपॉजिटर्स को 90 दिन के भीतर ये रकम मिलती है।

अभी 5 लाख रुपए की रकम का ही बीमा

अभी सरकार 5 लाख रुपए का ही इंश्योरेंस देती है। मान लीजिए किसी जमाकर्ता का बैंक में 10 लाख रुपए डिपॉजिट है। अगर बैंक किन्हीं कारणों से बंद होता है तो जमाकर्ता को 5 लाख रुपए बीमा कवर मिलेगा। यानी आपको 5 लाख रुपए ही मिल सकेंगे। DICGC जमाकर्ता से इस बीमा पर कोई प्रीमियम सीधे तौर पर नहीं लेता। यह प्रीमियम बैंक ही भरते हैं। डिपॉजिट गारंटी सिर्फ बैंक बंद होने की स्थिति में लागू होती है। अगर किसी जमाकर्ता के 4 लाख रुपए डिपॉजिट हैं तो नए प्रावधान के मुताबिक, उसे ये पूरी राशि बीमा कवर के रूप में वापस मिल सकेगी।

ब्यावर में नाबालिग लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला, आरोपियों पर ब्लैकमेल और धर्मांतरण का दबाव डालने का आरोप



24 न्यूज अपडेट

अजमेर/ब्यावरः ब्यावर जिले के बिजयनगर थाना इलाके में एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें 4-5 नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म किया गया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि एक गिरोह ने उनकी बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया, उनके अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए, और अब उन्हें ब्लैकमेल कर रहा है।

मुख्य बिंदुः - आरोपः नाबालिग लड़कियों को मोबाइल देकर उनके साथ दुष्कर्म किया गया, अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया जा रहा है, और धर्मांतरण के लिए मजबूर किया जा रहा है। **स्थानः** बिजयनगर थाना इलाका **आरोपीः** सोयल मंसूरी, सोहेब, अयान, अफरान, साहिल, आशिक कुरैशी, रियान, जावेद, आमान, करीम, फैजान और अन्य 10-15 लड़के।

पीड़िताः 4-5 नाबालिग लड़कियां, **पुलिस कार्रवाईः** 3 मामले दर्ज, 5 आरोपी गिरफ्तार, 2 नाबालिग हिरासत में।

पीड़ितों के परिजनों का आरोपः आरोपियों ने उनकी बेटियों को खिलौने और मोबाइल का लालच देकर फंसाया। उनकी बेटियों के अलावा अन्य नाबालिग लड़कियों के भी फोटो और वीडियो हैं, जिनसे उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है। लड़कियों को धमकियां देकर मिलने का दबाव बनाया जाता है, और उनकी पसंद के कपड़े पहनने के लिए मजबूर किया जाता है। शारीरिक शोषण के लिए एक-दूसरे की सहेलियों से मिलवाने का दबाव बनाया जाता था, और मना करने पर जान से मारने की धमकियां दी जाती थीं।

सर्व समाज का प्रदर्शनः मामला सामने आने के बाद सर्व समाज के लोगों ने थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। माहौल गरमा गया तो पुलिस ने 4 और थानों से फोर्स मौके पर बुलाई। डीएसपी के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए।



आगे की कार्रवाईः सर्व समाज ने प्रशासन को सोमवार शाम 6 बजे तक का अल्टीमेटम दिया है। विश्व हिंदू परिषद और पूर्व पालिका अध्यक्ष ने इस घटना को मानवता को शर्मसार करने वाला बताया है, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका मानना है कि यह एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा है, और आरोपी ब्लैकमेलिंग का धंधा करते हैं।

पुलिस का बयानः थाना प्रभारी करण सिंह ने बताया कि 4-5 नाबालिग लड़कियों ने शिकायत दी है कि कुछ युवकों ने उन्हें मोबाइल दिए और फिर दबाव बनाकर उनका यौन शोषण किया। इस पर तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं। 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और 2 नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है।

जनवरी में व्यापार घाटा बढ़कर 1.99 लाख करोड़ हुआ:मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 2.4% कम हुआ, इंपोर्ट 10.3% बढ़ा



24 न्यूज अपडेट

एक्सपोर्ट में गिरावट के कारण भारत का मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट यानी व्यापारिक व्यापार घाटा जनवरी 2025 में बढ़कर 22.99 बिलियन डॉलर (1.99 लाख करोड़ रुपए) हो गया है। पिछले महीने दिसंबर में यह 21.94 बिलियन डॉलर यानी 1.90 लाख करोड़ रुपए रहा था।

वहीं साल-दर-साल आधार पर जनवरी में गुड्स यानी वस्तुओं का व्यापार घाटा 38.8% बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में यह रिवाइज्ड आंकड़ा 16.56 बिलियन डॉलर यानी 1.43 लाख करोड़ रुपए था।

जनवरी में मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 2.4% घटा

कॉमर्स मिनिस्ट्री के 17 फरवरी को जारी प्रोविजनल डेटा के अनुसार, जनवरी में मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट में 2.4% की गिरावट आई है। वहीं गुड्स के इंपोर्ट में 10.3% की ग्रोथ हुई है।

दिल्ली के नए CM की शपथ 20 फरवरी को, 19 को विधायक दल की बैठक, शपथ में PM समेत 20 राज्यों के मुख्यमंत्री आएंगे



24 न्यूज अपडेट

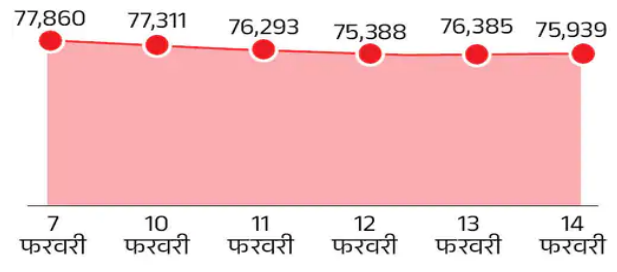
दिल्ली विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 12 दिन बाद 20 फरवरी को नए मुख्यमंत्री रामलीला मैदान में शपथ लेंगे। हालांकि, भाजपा ने अब तक CM फेस तय नहीं किया है। पार्टी विधायक दल की बैठक 19 फरवरी को बुलाई गई है, जिसमें CM की घोषणा होगी। इससे पहले 16 फरवरी शाम को खबर आई कि 17 फरवरी, यानी आज विधायक दल की बैठक होगी और 18 फरवरी को शपथ ग्रहण समारोह होगा। हालांकि, कुछ देर बाद इसे दो दिन के लिए टाल दिया गया। इसकी वजह नहीं बताई गई। भाजपा सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री, भाजपा और NDA शासित 20 राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी CM शामिल होंगे। इसके अलावा उद्योगपति, फिल्म स्टार, क्रिकेट खिलाड़ी, साधु-संत और राजनयिक भी आएंगे। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली के 12 से 16 हजार लोगों को भी बुलाने की तैयारी की गई है। कार्यक्रम की व्यवस्था की देखरेख के लिए भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ को प्रभारी बनाया गया है। आज शाम को तावड़े-चुघ दिल्ली भाजपा नेताओं के साथ व्यवस्थाओं को लेकर बैठक करेंगे।

जनवरी में मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 2.4% घटा

कॉमर्स मिनिस्ट्री के 17 फरवरी को जारी प्रोविजनल डेटा के अनुसार, जनवरी में मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट में 2.4% की गिरावट आई है। वहीं गुड्स के इंपोर्ट में 10.3% की ग्रोथ हुई है।

दिन के निचले स्तर से 702 अंक संभला बाजार:सेंसेक्स 57 अंक चढ़कर 75,996 पर बंद, निफ्टी में भी 234 अंक की रिकवरी

पिछले हफ्ते 1,921 अंक गिरा था सेंसेक्स



24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी 17 फरवरी को सेंसेक्स दिन के निचले स्तर 75,294 से 702 अंक संभला। यह 57 अंक की तेजी के साथ 75,996 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी में भी निचले स्तर 22,725 से 234 अंक की रिकवरी देखने को मिली, ये 30 अंक की तेजी के साथ 22,959 स्तर पर बंद हुआ। वहीं, BSE स्मॉलकैप 254 अंक गिरकर 45,156 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी और 10 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 34 में तेजी और 16 में गिरावट रही। NSE सेक्टोरल इंडेक्स के हेल्थकेयर सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.31% की तेजी रही।

सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थल कानून पर सुनवाई टली:3 जजों की बेंच में होनी थी, CJI बोले- आज 2 जज मौजूद, बाद में देखेंगे

24 न्यूज अपडेट

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूजा स्थल कानून से जुड़ी 7 याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी। दरअसल इस केस की सुनवाई 2 जजों की बेंच में होनी थी। CJI संजीव खन्ना ने कहा कि आज सिर्फ 2 जजों की बेंच बैठी है। यह मामला किसी और दिन देखेंगे।



CJI ने इस मामले पर दाखिल इंटरवेंशन एप्लिकेशंस पर कहा कि आज हम ऐसी कोई याचिका नहीं स्वीकार करेंगे। इनकी भी एक सीमा होती है। असदुद्दीन ओवैसी की याचिका जुड़ी आज सुप्रीम कोर्ट को AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर भी सुनवाई करनी थी। उनकी याचिका को पहले से पेंडिंग 6 याचिकाओं के साथ जोड़ा गया है।

ओवैसी ने याचिका में 1991 के प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (पूजा स्थल कानून) को लागू करने की मांग है। कानून के मुताबिक, 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (विशेष प्रावधानों) 1991 की 6 धाराओं की वैधता पर दाखिल याचिकाओं पर चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने आखिरी बार 12 दिसंबर 2024 को सुनवाई की थी।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम ने प्रैक्टिस शुरू की



24 न्यूज अपडेट

ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारतीय टीम ने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। टीम ने रविवार को दुबई के ICC एकेडमी में जमकर पसीना बहाया। टूर्नामेंट में टीम का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेला जाएगा। BCCI ने टीम के प्रैक्टिस के वीडियो और फोटोज शेयर किए हैं। वहीं PTI की रिपोर्ट के अनुसार, विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को प्रैक्टिस के दौरान हार्दिक पंड्या की बॉल लग गई। भारत का पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। यह मुकाबला 20 फरवरी को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम का दूसरा मुकाबला 23 फरवरी को पाकिस्तान और तीसरा मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड से होगा।

संपादकीय : जवाबदेही जरूरी

राजनीतिक दलों को भी सूचनाधिकार कानून के दायरे में लाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। मगर पार्टियां इस तर्क पर इसका विरोध करती रही हैं कि इस तरह लोग उनके हर गोपनीय फैसले, हर कदम के बारे में भी जानकारी मांगना शुरू कर देंगे। राजनीतिक दलों का पंजीकरण जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत होता है, उन्हें सरकार का हिस्सा नहीं माना जा सकता कि उनके हर फैसले के बारे में लोगों को जानकारी दी जाए। मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में सुनवाई की तारीख तय कर दी है। उसने केंद्र सरकार, निर्वाचन आयोग और छह प्रमुख राजनीतिक पार्टियों से कहा है कि इस संबंध में वे अपना तर्क पेश करें। केंद्रीय सूचना आयोग ने भी 2013 में कहा था कि राजनीतिक पार्टियों का कामकाज सूचनाधिकार कानून के दायरे में आता है। मगर उस पर अब तक किसी भी दल ने अमल नहीं किया है। इसे लेकर एक स्वयंसेवी संगठन और एक अधिवक्ता ने याचिका दायर की थी । अदालत ने उन दोनों याचिकाओं को साथ मिला कर सुनवाई करने का फैसला किया है। यह मामला पिछले दस वर्षों से लटका हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा कदम से यह उम्मीद बनी है कि राजनीतिक दलों की जवाबदेही को लेकर कोई सकारात्मक कदम उठाया जा सकेगा । पार्टियों के कामकाज में पारदर्शिता का सवाल तब गाढ़े रूप में उठाया जाने लगा था, जब चुनावी चंदे को लेकर शक पैदा हुआ था। चुनावी चंदे के संबंध में सरकार ने नियम बनाया था कि उसके ब्योरे नहीं मांगे जा सकते। पार्टियों को यह बताना जरूरी नहीं होगा कि उन्होंने किससे कितना चंदा लिया। बैंक भी इससे संबंधित ब्योरे गोपनीय रखेंगे। मगर जब इसे अदालत में चुनौती दी गई तो सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस तरह चुनावी चंदे लेना गैर-संवैधानिक है। इस तरह यह तय हुआ कि राजनीतिक दल सूचना का अधिकार कानून के दायरे से बाहर नहीं हैं। याचिकाकर्ताओं ने केंद्रीय सूचना आयोग और सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों के आलोक में ही कहा है कि राजनीतिक दलों को सूचनाधिकार कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। यह ठीक है कि राजनीतिक दलों का पंजीकरण जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत होता है, मगर इसका अर्थ यह नहीं हो सकता कि वे आम लोगों को अंधेरे में रख कर गतिविधियां चलाएं। चुनावी चंदे पर फैसला देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि जो लोग पार्टियों को चंदा देते हैं, उन्हें यह जानने का अधिकार है कि उस पैसे का कहां और किस तरह उपयोग किया गया। यह छिपी बात नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह राजनीतिक दलों को भारी पैमाने पर चंदा मिल रहा है और वे उससे संबंधित विवरण छिपाने का प्रयास करते हैं, उसे लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं कही जा सकती। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद प्राप्त विवरणों से जाहिर हुआ कि बहुत सारी कंपनियों और व्यक्तियों ने राजनीतिक दलों को काफी बड़ी रकम इसलिए दी थी कि उन्हें उसके बदले कोई कारोबारी लाभ मिला था। इस तरह राजनीतिक दलों की नैतिकता और पारदर्शिता पर सवाल उठे थे। अगर राजनीतिक दलों को लगता है कि उनके आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप न हो, तो कुछ बिंदुओं को अलग किया जा सकता है। मगर उनके वित्तीय आदि पक्षों को जवाबदेही के दायरे में लाने से क्यों गुरेज होना चाहिए। राजनीतिक दलों के कामकाज में पारदर्शिता तो होनी ही चाहिए।

सख्ती के बावजूद

सहकारी बैंकों में अपनी गाड़ी कमाई जमा करना अब लोगों के लिए जोखिम भरा हो गया है। निम्न और मध्यम आयवर्ग के लोग अपनी जरूरतों में कटौती कर बेटी की शादी या बच्चों की शिक्षा के लिए इस भरोसे से अपनी छोटी पूंजी जमा करते हैं ताकि समय आने पर उसका सदुपयोग करेंगे। मगर सहकारी बैंकों में जिस तरह आए दिन गवन और घोटाले सामने आ रहे हैं, उससे उनका विश्वास डगमगा गया है। यह सच्चाई है कि इन बैंकों से कर्ज लेकर कुछ शातिर गायब हो जाते हैं और कभी-कभी तो प्रबंधक ही धांधली कर गरीबों की जमाराशि डकार जाते हैं रिजर्व बैंक की सख्ती के बावजूद सहकारी बैंक अपने आय-व्यय ब्योरे में गड़बड़ियां करते हैं, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? मुंबई में न्यू इंडिया को-आपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपए के गबन के बाद एक बार फिर यह साबित 'हुआ कि सहकारी बैंकों में पैसा सुरक्षित नहीं है। हालांकि रिजर्व बैंक ने कड़े कदम उठा कर और कई पाबंदियां लगा कर संकेत दिया है कि वह ऐसे मामलों को बर्दाश्त नहीं करेगा और उसे बैंक ग्राहकों की चिंता है। कोई दो मत नहीं कि अब इन बैंकों में पारदर्शिता और विश्वसनीयता कायम करना आवश्यक है । चिंता की बात है कि सहकारी बैंकों में एक के बाद एक घोटाले हो रहे हैं। ये बैंक अपने बड़े कारोबार दर्शा कर आम नागरिकों को पैसे जमा करने और अधिक उपाज का प्रलोभन देते हैं। हालांकि इन बैंकों के नियमन और निगरानी की व्यवस्था है, फिर भी इनके संचालन से जुड़े कर्मचारी और प्रबंधक अनियमितताएं तथा गबन कर सहकारी भावना को ठेस पहुंचाते हैं। यह पहली बार नहीं, जब रिजर्व बैंक ने इतनी बड़ी कार्रवाई की है। इससे पहले वर्ष 2019 में भी पंजाब एंड महाराष्ट्र कोआपरेटिव बैंक में घोटाले सामने आने पर केंद्रीय बैंक ने कई पाबंदियां लगाई थीं। बाद में उस बैंक का अधिग्रहण कर लिया गया था। मगर सवाल यह है कि तमाम सख्तियों के बावजूद सहकारी बैंकों में अनियमितताएं क्यों बढ़ रही हैं। यह तो ग्राहकों के भरोसे के साथ बैंकों का विश्वासघात ही है ।

दो तहसीलदार 15 लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार: 60 लाख की मांग का खुलासा



24 न्यूज अपडेट

जैसलमेर. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) जयपुर ने जैसलमेर में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भणियाणा तहसीलदार सुमित्रा चौधरी और फतेहगढ़ तहसीलदार शिवप्रसाद शर्मा को 15 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह रिश्वत भूमि रजिस्ट्री, नामांतरण और पैमाइश के बदले मांगी गई थी, और कुल 60 लाख रुपये की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता ने ACB जयपुर को सूचना दी कि जैसलमेर के फतेहगढ़ और भणियाणा तहसील क्षेत्रों में खरीदी गई जमीनों की रजिस्ट्री, नामांतरण और पैमाइश के बदले रिश्वत मांगी जा रही थी। ACB ने मामले की जांच की और शिकायत की पुष्टि होने के बाद कार्रवाई की योजना बनाई। सोमवार को एसीबी की टीम ने भणियाणा तहसीलदार सुमित्रा चौधरी को 15 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। इसके बाद फतेहगढ़ तहसील कार्यालय पर छापा मारा और तहसीलदार शिवप्रसाद शर्मा को भी गिरफ्तार किया। आरोपियों ने भूमि रजिस्ट्री, नामांतरण और पैमाइश में अड़चनें डालकर लोगों को रिश्वत देने के लिए मजबूर किया। रिश्वत न देने पर फाइलों को लंबित रखकर लोगों को परेशान किया जाता था। जमीन के लेन-देन से जुड़े किसानों और व्यापारियों को मजबूरी में बड़ी रकम देने के लिए बाध्य किया जाता था। शिकायतकर्ता ने जब रिश्वत न देने का फैसला किया, तब उसने ACB से संपर्क किया और पूरी घटना की जानकारी दी। ACB अब इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। भ्रष्टाचार से जुड़े अन्य मामलों में भी इन अधिकारियों की भूमिका की जांच की जा रही है। तहसील स्तर पर भ्रष्टाचार रोकने के लिए प्रशासन अब और सख्त कदम उठा सकता है। यह मामला सरकारी अधिकारियों में व्याप्त भ्रष्टाचार की गंभीरता को उजागर करता है। ACB द्वारा की गई यह कार्रवाई एक बार फिर सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार के बढ़ते मामलों को उजागर करती है। जमीन से जुड़े दस्तावेजों और नामांतरण प्रक्रियाओं में रिश्वतखोरी एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जिसे रोकने के लिए ऐसे कठोर कदम आवश्यक हैं। जनता को भी चाहिए कि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं और भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष में प्रशासन का सहयोग करें।

अशोक पटेल रणोली बने डूंगरपुर भाजपा के नए जिलाध्यक्ष



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट। डूंगरपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को अशोक पटेल रणोली को जिले का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। इस घोषणा को पार्टी चुनाव पर्यवेक्षक नारायण सिंह राजपुरोहित ने किया। यह फैसला पार्टी की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, क्योंकि लगातार दूसरी बार सागवाड़ा क्षेत्र से ओबीसी वर्ग के नेता को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इस पद के लिए कुल 11 उम्मीदवारों ने दावेदारी पेश की थी। इन उम्मीदवारों में हरीश पाटीदार, धनपाल जैन, सुदर्शन जैन, और भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष पंकज जैन जैसे वरिष्ठ नेता भी शामिल थे। सभी पक्षों से विचार-विमर्श करने के बाद रणोली के नाम पर सहमति बनी और उनकी नियुक्ति की घोषणा की गई। भाजपा ने इस बार भी ओबीसी समुदाय से ही जिलाध्यक्ष को चुना है। इससे पहले हरीश पाटीदार भी इसी समुदाय से थे। यह फैसला भाजपा की सागवाड़ा क्षेत्र में पकड़ मजबूत करने और ओबीसी समुदाय को साधने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। डूंगरपुर जिले में चार विधानसभा सीटें हैं – सागवाड़ा, आसपुर, डूंगरपुर, और चौरासी। इन चार में से सिर्फ सागवाड़ा में भाजपा विधायक है, जबकि आसपुर, डूंगरपुर और चौरासी सीटों पर बीएपी और कांग्रेस के विधायक हैं। ऐसे में भाजपा के लिए यह जरूरी था कि वह सागवाड़ा में अपनी पकड़ और मजबूत करे।

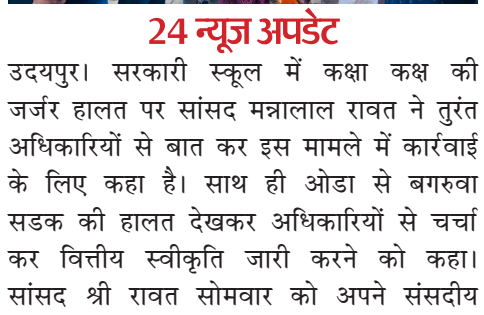
धर्मान्तरण से आदिवासी समाज को अल्पसंख्यक बनाने की गहरी साजिश: मन्नालाल रावत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सांसद मन्नालाल रावत ने धर्मान्तरण के बढते मामलों पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि यह आदिवासी समाज को अल्पसंख्यक बनाने की गहरी साजिश है जिसकी बडे स्तर पर जांच करने की आवश्यकता है। सांसद श्री रावत ने कहा कि रविवार को डूंगरपुर जिले में साबला के मुंगेर भगोरा फला गांव में छगन लाल के घर भजन मण्डली की आड़ में लोगों को धर्म परिवर्तन करवाए जाने की सूचना मिली थी। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी आईजी को दी। जिस पर साबला थानाधिकारी रघुवीर सिंह के साथ पुलिस जाब्ता मौक़े पर पहुंचा। जहां छगन लाल और उसकी पत्नी करीब 9 लोगों को ईसाई धर्म से जुडी प्रार्थनायें करवा रहे थे। पुलिस धर्म परिवर्तन के अंदेशे के चलते सभी को डिटेन कर पूछताछ कर रही है। सांसद श्री रावत ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र में यह अकेला मामला नहीं है। ऐसे कई तथाकथित लोग हैं जो आदिवासियों का धर्मान्तरण करवाने की बडी मुहिम चला रहे हैं। भोले भाले लोगों के तरह-तरह के प्रलोभन देकर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन व अन्य जांच एजेन्सियों को इस मामले में गहन से गहन जांच करके ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि रविवार को हुई घटना की जानकारी उन्होंने सीएमओ में भी दी है और उदयपुर रेंज के आईजी राजेश मीणा से चर्चा कर सख्त कार्रवाई के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि यह साजिश आदिवासी समाज को अल्पसंख्यक बनाने की दिशा में एक हमला है जिसको समय रहते नहीं रोका गया तो इसके दुष्परिणाम सामने आएंगे।

स्कूल में कक्षा कक्षों की जर्जर हालत पर सांसद रावत ने तत्काल अधिकारी से की बात, जल्द नए कक्षा कक्ष बनेंगे



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सरकारी स्कूल में कक्षा कक्ष की जर्जर हालत पर सांसद मन्नालाल रावत ने तुरंत अधिकारियों से बात कर इस मामले में कार्रवाई के लिए कहा है। साथ ही ओडा से बगरुवा सडक की हालत देखकर अधिकारियों से चर्चा कर वित्तीय स्वीकृति जारी करने को कहा। सांसद श्री रावत सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र के सलूंबर जिले के ओडा, बगरुवा और अदवास के दौरे पर रहे जहां उन्होंने जनता की समस्याओं को सुना और मौके पर ही अधिकारियों से बात कर कई समस्याओं का निराकरण करवाया। अदवास गांव में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य सांसद श्री रावत को बताया कि विद्यालय में अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण की मांग की और बताया कि वर्तमान में यह विद्यालय मेवल क्षेत्र का सबसे बड़ा विद्यालय है। यहां 650 विद्यार्थी अध्यनरत है। विद्यालय के 8 कक्षा कक्ष क्षतिग्रस्त और जर्जर हालत में जिनको गिराने की स्वीकृति भी मिली हुई है। विद्यालय में वर्तमान में 4 कक्षा कक्ष ही उपयोगी है। विद्यालय में 8 अतिरिक्त कक्षा कक्षा का निर्माण स्वीकृति प्राप्त होती है तो कक्षा 1 से 12 का संचालन एक साथ हो सकेगा। इस पर सांसद श्री रावत ने एडीपीसी वीरेंद्र यादव से मौके पर ही बात की। उन्होंने बताया कि कक्षा कक्ष के लिए 10 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन बजट आवंटन नहीं हुआ है इसलिए देरी हो रही है। इस पर सांसद ने अधिकारियों को तत्काल बजट आबंटन कर नए कक्षा कक्ष का निर्माण करवाने और जर्जर कक्षाओं को गिराने के निर्देश दिए। सांसद श्री रावत इसके बाद राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय बगुरुवा में नव निर्मित कक्षा-कक्ष भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। यहां ग्रामीणों ने ओडा से बगरुवा तक की 2 किलोमीटर जर्जर सडक के बारे में बताया और कहा कि इससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। इस पर सांसद ने पीडब्ल्यूडी के अतिरिक्त आयुक्त से बात की तो बताया कि रोड के लिए 3 करोड 88 लाख का प्रस्ताव है जो जल्द स्वीकृत कर सडक निर्माण का काम चालू कर दिया जाएगा। इस दौरान सलूंबर विधायक श्रीमती शान्तादेवी मीणा, पूर्व जिला महामंत्री देहात नरेन्द्र मीणा, पंचायत समिति जयसमंद के प्रधान गंगाराम मीणा, भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण मीणा, बगरुवा सरपंच भगवतीलाल मीणा, समाजसेवी बिन्दू देवी मीणा व मनोज चौबीसा तथा स्कूल प्रधानाचार्य ललित सालवी भी उपस्थित थे।

सज्जनगढ़ थाना पुलिस ने बोरवेल से मोटर चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया: आरोपियों ने सस्ते दामों पर बेचीं चोरी की मोटरें



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. बांसवाड़ा। बांसवाड़ा के सज्जनगढ़ क्षेत्र में पिछले एक माह से सक्रिय मोटर चोरी के गिरोह को पुलिस ने पकड़ लिया है। इस गिरोह के द्वारा की गई आधा दर्जन चोरियों का खुलासा हुआ है। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, हेजाभावजी गांव में हुई दो चोरी की वारदातों को लेकर किसान भूरालाल पुत्र ताजुड़ा गरासिया ने 31 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि रात के समय खेत में लगी 2 एसपी मोटर चोरी हो गई थी। मोटर के साथ-साथ उसके तार भी चोरी कर लिए गए थे। अगले दिन, किसान हीरालाल के घर के पास लगे सोलर संयंत्र से भी मोटर और केबल चोरी हो गए थे। इसके बाद मामला दर्ज किया गया। मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए, एसपी हर्षधर्वन अग्रवाला के निर्देशों पर और सीओ कुशलगढ़ मदनलाल बिश्नोई के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर तीन संदिग्धों दृ राकेश उर्फ राका, महेंद्र और मनीष को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी वारदातों का खुलासा किया और बताया कि उन्होंने इन चोरियों के अलावा आठ से दस अन्य वारदातों को भी अंजाम दिया। आरोपियों के कब्जे से कुछ चोरी की गई मोटरें भी बरामद की गई हैं, जबकि बाकी चुराई गई मोटरों के बारे में जांच जारी है।

चोरी की मोटरें सस्ते दामों में बेचने की योजना

आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने गराडिया, हेजाभावजी और पचाल गांव के विभिन्न खेतों से मोटरें चुराई थीं। इनमें से कुछ मोटरें उन्होंने अन्य किसानों को औने-पौने दामों में बेचने का प्रयास किया था। चोरी की गई मोटरों के अलावा, अन्य उपकरणों की चोरी भी आरोपियों ने की थी। पुलिस टीम में एएसआई छगनलाल, हेड कॉन्स्टेबल भरतकुमार, पुष्पेंद्रसिंह, कॉन्स्टेबल शैलेंद्र, कल्पेश, जयंतीलाल, महेश, बहादुरसिंह, चालक कॉन्स्टेबल देवेंद्रसिंह शामिल हैं।

अवैध बजरी से भरे 2 डंपर जब्त, चालक गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर की सवीना थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई में बजरी के अवैध खनन और परिवहन करने पर दो डंपर जब्त किए हैं। साथ ही इनके चालकों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी अजयसिंह राव ने बताया कि मुखबिर से अवैध बजरी तस्करी की सूचना मिली थी। इस पर मौके पर टीम भेजी गई। जिसने डाकन कोटड़ा में रात को नाकाबंदी कर दो डंपर पकड़े।

दोनों में 40-40 टन बजरी भरी हुई थी। चालकों के पास इसके कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। इस पर सराड़ा निवासी चालक मनोहर मीणा और लक्ष्मण मीणा को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि एक डंपर सलूंबर के अर्जुन सिंह और दूसरा सवीना के रउफ खान का है।

दोनों सलूंबर से अवैध रूप से बजरी डम्पर में बजरी भरकर शहर में ला रहे थे। इससे पहले भी कई बार इसी तरह अवैध रूप से परिवहन कर रहे थे। पुलिस ने इसकी सूचना खान विभाग को दी है। टीम ने डंपर जब्त कर लिए।



कार ने सेना के जवान को मारी टक्कर

पुलिसकर्मी की गाड़ी में मिली अफीम, घायल का पैर फ्रैक्चर



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के पास कार ने सेना के जवान को टक्कर मार दी। कार में पुलिसकर्मी सवार था। इसके बाद सेना के अन्य जवान आ गए। पुलिसकर्मी की कार की तलाशी में अफीम मिली। इस पूरे मामले को लेकर आधिकारिक तौर पर पुलिस ने कोई जानकारी नहीं दी है। इस पूरे मामले को लेकर एयरपोर्ट थाना अधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया- अफीम मिलने के संबंध में जांच की जा रही है। पुलिसकर्मी प्राइवेट कार में सवार था। हादसे में सेना के जवान का पांव फ्रैक्चर हो गया था। टक्कर के बाद जवानों ने कार की तलाशी ली, जिसमें अफीम मिली। आरोप है कि गाड़ी चला रहा पुलिसकर्मी शराब के नशे में था।

गुम हुई MBBS की डिग्रियां निजी कॉलेज में मिली:RUHS यूनिवर्सिटी से भेजी डाक गलत जगह पर पहुंची; स्टूडेंट्स को मिली राहत



24 न्यूज अपडेट

जयपुर में राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज (RUHS) के यहां से गायब हुई 2019 बैच के डॉक्टर्स को दी प्रोविजनल डिग्रियां मिल गई है। ये डिग्रियां यूनिवर्सिटी से मेडिकल कॉलेज RUHS आनी थी, लेकिन कोई दूसरे प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में पहुंच गई। जांच करवाने पर जानकारी सामने आने पर अब डिग्रियां मंगवा ली है। इसके बाद स्टूडेंट्स को राहत मिली। अब वे मेडिकल ऑफिसर पद के लिए आवेदन पत्र भर सकेंगे।

दरअसल, 14 फरवरी को जब मेडिकल ऑफिसर भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन भरने का विंडो शुरू हुआ तो 2019 बैच के MBBS पासआउट स्टूडेंट्स RUHS मेडिकल कॉलेज में प्रोविजनल डिग्री लेने पहुंचे तो वहां पता चला कि उनके पास डिग्रियां ही नहीं है। जब डिग्रियों की जानकारी RUHS यूनिवर्सिटी प्रशासन से मांगी गई तो वहां से जवाब मिला था कि डिग्रियां कॉलेज को जारी कर दी गई है। इस पूरी गड़बड़ी के बाद स्टूडेंट्स और कॉलेज प्रशासन में हड़कंप मच गया।

दूसरे निजी मेडिकल कॉलेज चली गई थीं डिग्रियां

मामले की जब जांच की तो पता चला कि RUHS यूनिवर्सिटी परिसर से जारी की गई डाक RUHS कॉलेज आने के बजाए दूसरे निजी मेडिकल कॉलेज चली गई। इसी डाक में सभी डिग्रियां थी। मामला पता चलने के बाद RUHS यूनिवर्सिटी प्रशासन ने निजी मेडिकल कॉलेज से डाक वापस मंगवाई और RUHS कॉलेज प्रशासन को दी। RUHS मेडिकल कॉलेज के प्रिसिंपल डॉ. विनोद जोशी ने बताया- डाक गलत जगह चले जाने से डिग्रियां निजी मेडिकल कॉलेज चली गई थी, जो मंगवा ली है और अब स्टूडेंट्स को दी जा रही है।

आपको बता दें कि 2019 बैच के MBBS स्टूडेंट्स जो हॉस्पिटल में इंटर्नशिप कर रहे हैं उनकी इंटर्नशिप इसी माह और कुछ की अगले माह पूरी होने वाली है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मेडिकल ऑफिसर्स (MO) भर्ती के लिए आवेदन भरने के लिए 14 से 18 फरवरी तक विंडो खोली है। इस आवेदन में अभ्यर्थी से MBBS की प्रोविजन डिग्रियां ही मांगी है।

जयपुर में डकैती डालकर पाप धोने निकला बदमाश:मंदिरों के दर्शन कर वापस लौटा तो पकड़ा गया, फ्लिपकार्ट में काम करने वाले दोस्त की मदद से की डकैती



24 न्यूज अपडेट

जयपुर में कैश कलेक्शन एजेंट से डकैती के मामले झोटवाड़ा पुलिस ने सोमवार दोपहर खुलासा कर दिया है। डकैती में शामिल तीन बदमाशों को पुलिस ने पकड़ लिया है। डकैती के मास्टर माइंड ने फ्लिपकार्ट कंपनी के काम करने वाले अपने दोस्त के साथ मिलकर प्लान बनाया। रेंटल कार से वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद मास्टर माइंड पाप धोने के लिए मंदिर दर्शन पर निकल गया था। पुलिस टीमें फरार साथी बदमाशों को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है।

दरअसल, 14 फरवरी की सुबह करीब 10:45 बजे कैश कलेक्शन एजेंट पीयूष अग्रवाल (45) कमानी चौराहा स्थित फिल्पकार्ड कंपनी के ऑफिस से कैश कलेक्शन के लिए गया था। कैश लेकर निकलते समय उनके बैग में 5 लाख रुपए रखे थे। कार से चार-पांच नकाबपोश बदमाशों ने पीयूष को लूट लिया था।

एडि. डीसीपी (वेस्ट) आलोक सिंघल ने बताया- डकैती के बाद पुलिस प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया कि डकैती का मास्टर माइंड राजेन्द्र सिंह है। उसका दोस्त राजेन्द्र रावत फ्लिपकार्ट कंपनी में जॉब करता है। कुछ समय पहले राजेन्द्र सिंह व उसका दोस्त राजेन्द्र रावत मिले। कर्ज को लेकर बातचीत के दौरान फ्लिपकार्ट कंपनी के वर्कर राजेन्द्र रावत ने राजेन्द्र सिंह को कैश कलेक्शन एजेंट के लाखों रुपए लेकर जाने के बारे में बताया। बातचीत के दौरान ही राजेन्द्र सिंह ने दोस्त राजेन्द्र रावत के साथ मिलकर डकैती का प्लान बनाया। राजेंद्र सिंह ने प्लानिंग के तहत डकैती में शामिल साथियों की व्यवस्था की। राजेन्द्र रावत को कॉल कर कैश कलेक्शन एजेंट के आने-जाने के बारे में बताने के लिए कहा।

वरुण सागर में लगेगी भगवान झूलेलाल की मूर्ति एवं बनेगा घाट, सिंधी समाज व संगठनों ने किया विधानसभा अध्यक्ष का सम्मान



24 न्यूज अपडेट

जयपुर । अजमेर में अंग्रेजी गुलामी की मानसिकता के प्रतीक फॉयसागर झील का नाम बदलकर वरूण सागर करने पर सिंधी समाज, अन्य समुदायों एवं दर्जनों संगठनों ने रविवार शाम वरूण सागर झील पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सम्मान किया। इस अवसर पर देवनानी ने घोषणा की कि वरूण सागर झील में जन आराध्य भगवान झूलेलाल की मूर्ति एवं आमजन व सिंधी समाज की पूजा अर्चना के लिए घाट का निर्माण करवाया जाएगा। बड़ी संख्या में संतों एवं सिंधी समाज से जुड़ी संस्थाओं ने समारोह में भाग लिया। विश्व के अनेक हिस्सों से सिंधी समाज के लोगों व संगठनों ने भी बधाई प्रेषित की । वरूण सागर झील पर रविवार शाम सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने घोषणा की कि वरुणसागर में भगवान झूलेलाल की एक भव्य एवं विशालकाय मूर्ति स्थापित की जाएगी। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए घाट का निर्माण भी करवाया जाएगा। सिंधी समाज द्वारा अपनी धार्मिक परंपराओं के तहत चालिहो उत्सव की प्रथा को और अधिक सुगम बनाने के लिए यह घाट सहायक सिद्ध होंगे। चेटीचंड तक घाट का निर्माण कर समाज को समर्पित कर दिया जाएगा। सिंधी समाज सिंध से विभाजन का दंश सहकर विस्थापित हुए। वरुण सागर समाज को एक नई पहचान देगा । देवनानी ने कहा कि फॉयसागर को गुलामी के प्रतीक से मुक्त कर वरुणसागर नाम देना एक ऐतिहासिक निर्णय है। यह संतो के आशीर्वाद से सनातन धर्म की विजय है ।इससे समाज को अपनी आस्था और परंपराओं को संरक्षित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि भगवान झूलेलाल केवल सिंधी समाज के ही नहीं बल्कि सभी समुदायों के आराध्य हैं और उनकी मूर्ति स्थापित होने से सांस्कृतिक विरासत को और अधिक सशक्त किया जाएगा। यह निर्णय न केवल धार्मिक आस्था को सशक्त करेगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। स्मार्ट सिटी अजमेर को पर्यटन का केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए अन्य प्रयास भी किया जा रहे हैं इसमें अजमेर के प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य सहित अन्य पहल शुरू की गई है। सबके सहयोग से श्रेष्ठ अजमेर का निर्माण किया जाएगा । उन्होंने कहा कि पूर्व में भी अजमेर में 2 करोड़ रूपए की लागत से महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय में सिन्धु शोध पीठ स्थापित की गई है। इसी तरह शिक्षा मंत्री के रूप में शहीद हेमू कालानी, दाहर सेन, संत कंवर राम, संत टेऊ राम व संत भगवान चन्द्र के पाठ पाठ्यक्रम में शामिल किए गए।

कोटा गैस-कांड, पीड़ित को ले जा रही एम्बुलेंस बंद हुई:आधे घंटे टोल पर इंतजार करते रहे, पीड़ित का आरोप- गाड़ी में मेडिकल स्टाफ नहीं था



24 न्यूज अपडेट

कोटा गैस कांड के पीड़ित को कोटा ला रही एम्बुलेंस रास्ते में खराब हो गई। करीब आधे घंटे तक सीएफसीएल की एम्बुलेंस सिमलिया टोल के पास खड़ी रही। जिसके बाद पीड़ित ने अपनी हिसाब से गाड़ी की व्यवस्था की। इतने देर में सीएफसीएल ने दूसरी एम्बुलेंस भेज दी। पीड़ित को दूसरी एम्बुलेंस से कोटा के एमबीएस हॉस्पिटल लाया गया। जहां डॉक्टर ने पीड़ित को जांचें लिखी।

आरोप- टोल पर खड़ी रही एम्बुलेंस

स्कूल के कर्मचारी हेमंत की आज सुबह तबीयत बिगड़ गई थी। जिसे इलाज के लिए सीएफसीएल स्थित डिस्पेंसरी में ले जाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे एम्बुलेंस से कोटा रेफर किया गया था। लेकिन रास्ते में एम्बुलेंस खराब हो गई।

हेमंत ने बताया कि आज सुबह उठते ही सांस लेने में दिक्कत हुई गला जाम हो गया मुझे डिस्पेंसरी ले जाया गया। वहां पर मुझे ऑक्सीजन लगाई गई और 2 ड्रिप चढ़ाई गई। करीब 1 घंटे बाद मुझे कोटा रेफर किया। फिर मुझे खराब एम्बुलेंस में डाल दिया। जो टोल पर आते ही खराब हो गई। उस समय साढ़े 10 बजे का समय था। वहां आधे से 1 घंटे के बीच हम टोल पर खड़े रहे। उसके बाद सीएफसीएल की ओर से दूसरी गाड़ी की व्यवस्था की गई इसके बाद कोटा पहुंचाया गया। एम्बुलेंस में मेडिकल स्टाफ नहीं था। केवल मेरा दोस्त व ड्राइवर था।

कोटा में डॉक्टर ने लिखी जांच

दोस्त बबलू मीणा ने बताया कि सुबह साढ़े 8 करीब हेमंत की तबीयत बिगड़ी। एम्बुलेंस के लिए सीएफसीएल की डिस्पेंसरी पर फोन किया। फोन करने के बाद भी एम्बुलेंस नहीं पहुंची। मजबूरन घर से बाइक पर बैठाकर ही डिस्पेंसरी लेकर गए। डिस्पेंसरी में हेमंत का इलाज किया गया। थोड़ा रिलीफ मिलने के बाद एम्बुलेंस से कोटा रेफर किया। थोड़ी दूर आते ही रास्ते में एम्बुलेंस खराब हो गई। आधे पोने घंटे तक टोल पर खड़े रहे। बार बार फोन किया, जिसके बाद दूसरी एम्बुलेंस आई। इसके बाद हम कोटा पहुंचे। कोटा में डॉक्टरों ने चेक किया। जांच लिखी। भर्ती के लिए कहा तो डॉक्टर से स्थिति नॉर्मल होना बताया। कहा कोई दिक्कत वाली बात नहीं है।

बबलू ने कहा कि सीएफसीएल में तीन-चार एम्बुलेंस होने के बाद भी उन्होंने खराब वाली एम्बुलेंस भेजी। जबकि उस एम्बुलेंस को वहीं पर धक्का लगा रहे थे। तब मैंने मना भी किया था।

रेगिस्तान में फटी पाइप लाइन, 50 घरों में 5 फीट तक पानी भरा



24 न्यूज अपडेट

जैसलमेर के रामदेवरा क्षेत्र में एक बड़ी घटना घटी, जब पोकरण-फलसुंड-सिवाना पेयजल योजना के नहरी विभाग की पाइपलाइन अचानक फट गई। यह पाइपलाइन फटने से 50 से ज्यादा घरों में 5 फीट तक पानी भर गया, जिससे भारी नुकसान हुआ है। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे हुई, जब नाचना चौराहे के पास नेशनल हाईवे-11 (बीकानेर-बाड़मेर हाईवे) की पुलिया की सर्विस रोड पर पाइपलाइन फटी। पाइपलाइन में पिछले दो महीने से लीकेज की समस्या थी, जिसके बारे में ग्रामीणों ने कई बार विभाग को सूचित किया था, लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके कारण आज अचानक पाइपलाइन फट गई और पानी तेजी से बहने लगा, जिससे निचले इलाके की नई बस्ती में पानी भर गया। नई बस्ती में करीब 250 घर हैं, जिनमें से 50 घरों में 4 से 5 फीट तक पानी भर चुका था। पानी की गति इतनी तेज थी कि घरों के दरवाजे आधे डूब गए और लोगों को अपना सामान निकालने का मौका नहीं मिला। घरेलू सामान, जैसे फर्नीचर, कपड़े, और अन्य चीजें पानी में बह गईं। लोग जान बचाने के लिए अपनी छतों पर भाग गए, और घरों के सामने खड़ी गाड़ियां और बाइक्स भी पानी में डूब गईं।

किरोड़ी के फोन-टैपिंग आरोपों पर विधानसभा में जवाब देगी सरकार



24 न्यूज अपडेट

कृषि मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा के फोन टैपिंग के आरोपों पर विधानसभा में बने गतिरोध को खत्म करने के लिए स्पीकर की सर्वदलीय बैठक में सहमति बन गई है। कांग्रेस ने विधानसभा स्पीकर के सामने शर्त रखी कि फोन टैपिंग के आरोपों पर सरकार की तरफ से मंत्री का जवाब आना चाहिए। स्पीकर मंत्री के जवाब का समय तय करें, तभी कांग्रेस बजट भाषण सुनेगी। बैठक के बाद प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा- सरकार के ही कुछ मंत्री नहीं चाहते थे कि मुख्यमंत्री का अभिभाषण पर जवाब शांति से हो, इसलिए उन्होंने साजिश के तहत सदन का माहौल बिगाड़ा। वहीं, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- विपक्ष को कोई बात कहनी है तो 20 फरवरी को अपनी बात कह सकता है, सरकार जवाब देगी।

सहमति के मुताबिक सरकार की तरफ से 20 फरवरी को शून्यकाल में फोन टैपिंग मुद्दे पर जवाब आएगा। स्पीकर इस पर विधानसभा में अलग से व्यवस्था देंगे। कांग्रेस ने स्पीकर की तरफ से सदन में घोषणा करके समय तय करने की शर्त पर ही बजट भाषण सुनने पर सहमति दी है।

जोगाराम पटेल- विपक्ष बात रखेगा तो सरकार जवाब देगी

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- विधानसभा में बना गतिरोध खत्म होने पर सहमति बन गई है। 19 फरवरी को बजट पेश करने के बाद अगर विपक्ष को कोई बात कहनी है तो 20 फरवरी को अपनी बात कह सकता है, सरकार जवाब देगी। विपक्ष का धन्यवाद देता हूं कि वे सदन चलाने में सहयोग करेंगे। अगर फोन टैपिंग का मुद्दा रखेंगे तो सरकार जवाब देगी। विपक्ष बात रखेगा तो सरकार जवाब देगी।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना की अंतिम तिथि 23 फरवरी तक बढ़ाई

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। प्रदेश के छात्र-छात्राओं की मांग पर विभाग ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग की तिथि एक बार फिर बढ़ाई है। अब आवेदक 23 फरवरी तक आवेदन कर सकेंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता की उप निदेशक मीना आर्य ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी निःशुल्क कोचिंग करने के लिए ऑनलाइन आवेदन किये जाने की पूर्व में निर्धारित अंतिम तिथि 23 फरवरी, 2025 तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा छात्रों को योजना से लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा ऑनलाइन पोर्टल पर सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में निःशुल्क कोचिंग के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से वर्ष 2024-25 के लिए ऑनलाइन आवेदन किये जाने की तिथि पूर्व में विभाग द्वारा 15 फरवरी निर्धारित की गई थी। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन एसएसओ पोर्टल (https://sso.rajasthan.gov.in) के द्वारा लॉगिन कर सीएम अनुप्रति कोचिंग योजना के आइकन के माध्यम से सीधे ही अथवा एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर एसजेएमएस ऐप पर जाकर सीएम अनुप्रति कोचिंग योजना के विकल्प का चयन कर 23 फरवरी, 2025 तक विभाग को ऑनलाइन भर सकते हैं।

जल प्रबंधन हमारी सामूहिक जिम्मेदारी, 'बांधों की सुरक्षा और बांधों से सुरक्षा' कार्यों के लिए, राज्य सरकार प्रतिबद्ध



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 फरवरी। जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि वैदिक काल से ही भारत में वर्षा जल को बांध और एनीकट में रोककर जल भंडारण की परम्परा रही है। अब मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार भी ''विकास भी और विरासत भी'' ध्येय अनुरूप जल प्रबंधन के लिए तेजी से कार्य कर रही हैं।

श्री रावत सोमवार को उदयपुर के अनंता रिसॉर्ट में 'बांध सुरक्षा, पुनर्वास एवं बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 पर राज्य स्तरीय सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे जल न्यूनता वाले राज्य में बांधों में सहेजी जल की एक-एक बूंद अमृत के समान है। इसी दृष्टि से राज्य सरकार बांधों को राज्य की आर्थिक समृद्धि का सूचक और मानवीय महत्ती आवश्यकता मानते हुए उनके बेहतर प्रबंधन की दिशा में कार्यरत है।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि बांधों के निर्माण, रोके गए जल के बेहतर उपयोग के लिए तंत्र विकसित करना और जल ढांचों की सुरक्षा हमारी सरकार के लिए वर्तमान में अतिमहत्वपूर्ण कार्य हैं। उन्होंने कहा कि जल संचयन, सिंचाई, बिजली उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण और पीने के पानी में बांधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए हमारी सरकार ने पहले ही बजट में वाटरग्रिड की सोच को दर्शाया और अब उस दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

श्री रावत ने कहा कि बांधों के जरिए डाउन स्ट्रीम में जल की निरंतरता बनी रहें और स्थानीय नदियां पुनर्जीवित हों, ऐसे सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियंता निरंतर निगरानी, संभावित दुष्परिणामों की समय पर सही और सटीक जानकारी और उसके निराकरण की एडवांस तैयारी के लिए प्रोफेशनल एप्रोच अपनाएं।

सत्र में केन्द्रीय जल आयोग के मुख्य अभियंता श्री राकेश कश्यप ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा बांधों को अधिक सुरक्षित बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें राजस्थान की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण है। जल संसाधन विभाग, राजस्थान के मुख्य अभियंता श्री रवि सोलंकी ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, अभियंता और जल प्रबंधन विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र के बाद 'बांध सुरक्षा एवं प्रबंधन में राज्य सरकार का दृष्टिकोण', 'बांध सुरक्षा अधिनियम के क्रियान्वयन में चुनौती व ड्रिप की भूमिका', 'बेस्ट प्रैक्टिस फॉर डैम सेफ्टी मैनेजमेंट एट बीसलपुर डैम अंडर ड्रिप', 'डैम रिहैबिलिटेशन वर्क्स एट माही डैम अंडर ड्रिप' जैसे सत्रों में विशेषज्ञों ने विचार प्रस्तुत किए।

18 व 19 को आंशिक रद्द रहेगी उदयपुर सिटी -मंदसौर-उदयपुर सिटी रेलसेवा

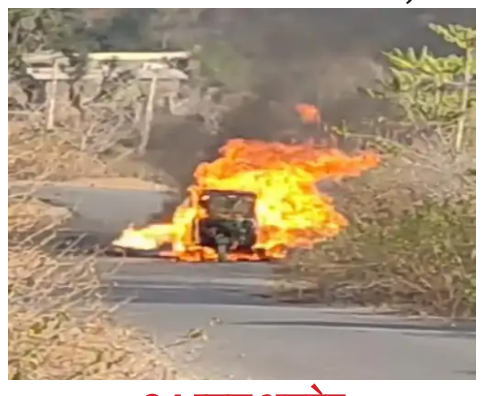


24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। रतलाम मण्डल के रतलाम-नीमच रेलखण्ड पर हर्कियाखाल-मल्हारगढ स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण कार्य के कारण नॉन इण्टरलॉकिग कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के कारण उदयपुर सिटी - मंदसौर -उदयपुर सिटी रेलसेवा आंशिक रद्द रहेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित निम्न रेलसवाएं आंशिक रद्द रहेगीः-

1. गाडी संख्या 59836, उदयपुर सिटी-मंदसौर रेलसेवा जो दिनांक 18.02.25 व 19.02.25 को उदयपुर सिटी से प्रस्थान करेगी वह नीमच स्टेशन तक संचालित होगी। अर्थात् यह रेलसेवा नीमच-मंदसौर स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
2. गाडी संख्या 59835, मंदसौर-उदयपुर सिटी रेलसेवा दिनांक 19.02.25 को मंदसौर के स्थान पर नीमच से प्रस्थान करेगी अर्थात् यह रेलसेवा मंदसौर- नीमच स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।

सवारियों से भरे टैंम्पो में लगी आगःधीरे-धीरे आग की लपटें उठने लगी, लोगों ने उतरकर बचाई जान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर जिले के बेकरिया थाना क्षेत्र में सवारियों से भरे टैंम्पो में आग लग गई। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। आग लगते ही सवारियों ने टेम्पो से कूदकर अपनी जान बचाई। जानकारी अनुसार-चालक सवाराम गरासिया देवला गांव से सवारियों को लेकर तूली का खेत गांव में जा रहा था। रास्ते में ग्राम पंचायत डांग के बिलिया में अचानक टैंम्पो से धुआं उठने लगा और धीरे-धीरे आग की लपटें उठने लगी। तभी चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत टैंम्पो रोका और चिल्लाते हुए सवारियों को भी उतरने को आगाह किया।

समय रहते सभी सवारियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते पूरा टैंम्पो से तेज आग की लपटें उठने लगी। आस-पास ग्रामीणों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन आग नहीं बुझी और टेम्पो पूरी तरह जलकर खाक हो गया। चालक सवाराम ने बताया कि आग संभतय शॉर्ट सर्किट होने से लगी है। चालक ने बेकरिया थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और टेम्पो को रास्ते में से साइड में कराया।

राजनगर व कांकरोली थाने में बाल संरक्षण संबंधित विषयों पर हुआ आमुखीकरण



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद 17 फरवरी। उदयपुर रेंज पुलिस द्वारा रेंज स्तर पर संचालित पुलिसिंग फॉर केयर ऑफ चिल्ड्रन कार्यक्रम अर्न्तगत सोमवार को राजसमंद पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजत विश्नोई के मार्गदर्शन में राजनगर एवं कांकरोली थाने में बाल संरक्षण संबंधित विषयों पर थाना स्तरीय आमुखीकरण कार्यक्रम का आयोंजन किया गया। राजनगर में थानाधिकारी विजेन्द्र सिंह ने बताया कि आज के दौर में साइबर क्राइम सबसे बड़ी समस्या है जिसस सबसे ज्यादा युवा पीढ़ी शिकार होकर प्रभावित हो रही है। हम सभी को विद्यालयों में वत्सल वार्ताओं एवं विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आज की युवा पीढ़ी को प्रेरित व जागरूक करने की जरूरत है। कार्यक्रम में संबंधित पुलिस थानों के पुलिस अधिकारियों सहित थाने पर चयनित पुलिस मित्र ग्राम रक्षक तथा सुरक्षा सखियों ने भाग लिया। इन थाना स्तरीय आमुखीकरण में बाल संरक्षण विशेषज्ञों ने बाल संरक्षण संबंधित विषय बाल मित्र पुलिस व्यवस्थाओं तथा बाल संरक्षण से संबंधित समुदाय स्तरीय विषयों पर आमुखीकरण उपलब्ध कराया।

इधर कांकरोली थाने में आयोजित आमुखीकरण कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में थाना स्तर पर बाल मित्र पुलिस प्रक्रियाओं और समुदाय में बाल संरक्षण में उनकी भूमिका के संबंध में चर्चा की गई। यहां पुलिस थाना प्रभारी भीमारामए सहायक पुलिस निरीक्षक निर्भय सिंह व ओम सिंह ने बालकों को भिक्षावृति से दूर रखने एवं जरूरतमंद बच्चों को परिवार की तरह वातावरण के साथ शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करानेए समुदाय से उपस्थित पुलिस मित्रोंए सुरक्षा सखियोंए ग्राम रक्षकों को बाल संरक्षण संबंधित अधिनियमों की जानकारी दी। दोनों पुलिस थानों में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनिसेफ की सभाग स्तरीय बाल संरक्षण सलाहकार सिंधु बिनुजीत ने इस कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पुलिस मित्रए ग्राम रक्षक तथा सुरक्षा सखियों को बाल संरक्षण से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर विचार करते हुए उन्हें सुरक्षित वातावरण उवलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम व बाल विवाह की रोकथाम के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। कार्यक्रम में आमजन ने पुलिस के साथ आने वाली समस्याओं के बारे में बताया जिसके बारे में विशेषज्ञों ने इसके लिए बनाए गये अधिनियम व प्रावधानों की जानकारी दी। सलाहकार द्वारा आमजन में जागरूकता के लिए बाल संरक्षण विषयक पोस्टर्स भी पुलिस थाने पर उपलब्ध कराए गए। थाना स्तरीय आमुखीकरण में कांकरोली थाने के कांस्टेबल विक्रम सिंह, विशेष किशोर पुलिस इकाई के हेड कानि सोहन लाल सहित कार्यक्रम टीम का सहयोग रहा।

युवक ने पेड़ से फंदा लगाकर किया सुसाइड



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के कलाल घाटा गांव में एक युवक ने घर के पास पेड़ पर फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। युवक घर से बाथरूम जाने की कहकर निकला था। हेड कॉन्स्टेबल नारायणलाल खराड़ी ने बताया कि मृतक के पिता जीवा गमेती की रिपोर्ट के अनुसार कनकमल बाथरूम जाने का कहकर घर से निकला था। लंबे समय तक वापस नहीं लौटने पर चिंतित मां उसे खोजने निकली और घर के पास एक पेड़ पर उसका शव लटका हुआ मिला।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने तुरंत कनकमल को फंदे से उतारा और जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को मॉर्च्युरी में रखवाया और पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है।

खान विभाग की टीम ने जब्त किए 9 अवैध बजरी वाहन



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, भीलवाड़ा। खान विभाग की भीलवाड़ा और बिजौलिया टीमों ने सोमवार तड़के अवैध बजरी गतिविधियों पर कार्रवाई करते हुए 9 वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द कर दिया। एसएमई काबरा ने बताया कि विभाग की टीम ने बड़लियास में तीन ट्रेक्टर और एक ट्रेलर जब्त कर बड़लियास थाने में सुपुर्द किया गया। इसी तरह से बजरी का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 1 ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त कर बागौर पुलिस थाने के सुपुर्द की गई। भीलवाड़ा एमई टीम द्वारा ही 1 ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त कर रायपुर थाने के सुपुर्द की गई। भीलवाड़ा के अधीक्षण अभियंता ओपी काबरा के निर्देशन में एमई भीलवाड़ा महेश शर्मा और एमई बिजौलिया प्रवीण अग्रवाल की टीमों ने सुबह तड़के औचक चैकिंग के दौरान इन वाहनों को जब्त किया। काबरा ने बताया कि एमई बिजौलिया प्रवीण अग्रवाल ने नेतृत्व में फोरमेन गिरिराज मीणा की टीम ने माण्डलगढ़ थाना क्षेत्र में तीन ट्रेक्टर ट्राली जब्त कर माण्डलगढ़ थाने की सुपुर्द की गई। काबरा ने बताया कि क्षेत्र के सभी खनिज अभियंताओं और सहायक खनिज अभियंताओं को अवैध खनन गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई करने के लिए औचक निरीक्षण व रात्रिकालीन गश्त करने के निर्देशित दिए हैं।

बेकाबू ट्रैक्टर पानी से भरी नाड़ी में गिरा



24 न्यूज अपडेट

एक ट्रैक्टर ट्रॉली बेकाबू होकर पानी से भरी नाड़ी में जा गिरा। ड्राइवर ने कूद कर बचने का प्रयास किया लेकिन वो पानी में डूब गया ।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंच कर पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। मामला कारोई थाना क्षेत्र का है। थाना क्षेत्र के के भैंसा कुंडल में रहने वाला भानु कुमार बागरिया अपने गांव से कारोई की ओर ट्रैक्टर लेकर जा रहा था इसी दौरान दूड़ियां के समीप रोड पर ट्रैक्टर बेकाबू होकर पानी से भरी नाड़ी में जा गिरा । ट्रैक्टर चला रहे भानु ने कूद कर अपनी जान बचाने का प्रयास किया लेकिन पानी गहरा होने के कारण वो डूब गया और उसकी मौत हो गई।

खाटूश्याम फागोत्सव 22 को तुलसीदास सराय में, जयपुर के धमाल सम्राट पिता पुत्र फागोत्सव मे धूम मचाएंगे



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के तुलसीदास जी की सराय डबोक एयरपोर्ट रोड मे निर्माणाधीन श्री श्याम मन्दिर प्रांगण मे 22 फरवरी शनिवार को सायंकाल 7 बजे से खाटूश्याम जी की तर्ज पर भव्य श्याम फागोत्सव मनाया जा रहा है। जिसमे जयपुर से धमाल सम्राट भजन गायक मनीष घीवाला अपने पुत्र मास्टर रेहांश और टीम के साथ धमाल मचाने आ रहे है। सुविख्यात केमिता जी राठौड के अलावा 10 स्थानीय भजन गायक -जमनाशंकर, योगेश सैनी सरमेश राठौड, इतिशा गोयल, अंजलि चिराग आचार्य, प्रतीक माहेश्वरी, सुनन्दा चोबीसा, रजनीश मानसी शर्मा, भी फागोत्सव मे हाजिरि लगाकर धूम मचायेगें। संगतकार नीमच से उमेश म्यूजिकल ग्रुप, श्रृंगार दरबार सजाने के लिए साँवरिया डेकोरेटर जयपुर से आ रहे।

घाघरा-लूगड़ी पहन शादीशुदा प्रमिका के घर से भाग रहा था, गांव वालों ने की जमकर धुलाई, बाल काटे



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट.भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में एक अजीबोगरीब घटना घटी, जहां आधी रात शादीशुदा प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की गांववालों ने ऐसी गत बनाई कि वो ताउम्र याद रखेगा। पकड़े जाने के डर से युवक ने महिला के कपड़े पहन लिए और अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की, लेकिन उसकी किस्मत ने धोखा दे दिया। गांववालों की नजरें बाज जैसी थीं। उन्होंने युवक को पहचान लिया, पीछा कर उसे दबोच लिया और फिर क्या था। गुस्से से भड़के ग्रामीणों ने पहले तो उसे रस्सी से बांधा, फिर लाठी-डंडों से जमकर धुनाई कर दी। इतना ही नहीं, सजा में तड़का लगाने के लिए कैंची से उसके बाल भी काट दिए।

कैसे हुआ पूरा ड्रामा?

शनिवार देर रात, मांडलगढ़ थाना क्षेत्र में पिंटू नामक युवक चोरी-छिपे अपनी शादीशुदा प्रेमिका से मिलने उसके घर जा पहुंचा। लेकिन गांववालों को भनक लग गई। जैसे ही उन्होंने उसे घर में घुसते देखा, हंगामा मच गया। शोरगुल सुनते ही युवक घबराया और पहचान छिपाने के लिए प्रेमिका के कपड़, घाघरा और लूगड़ी पहने बाहर भागा। मगर गांववाले इतनी आसानी से कहां छोड़ने वाले थे? उन्होंने दौड़ाकर युवक को पकड़ लिया और फिर उसकी जमकर खातिरदारी की। एक कमरे में बंधक बनाकर रातभर लात-घूंसों और लाठी-डंडों से पीटा गया। इस दौरान किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है। सुबह पुलिस ने किया गिरफ्तार रविवार सुबह किसी ने पुलिस को सूचना दी। मांडलगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को छुड़ाया। लेकिन गांववालों की भीड़ अब भी उबल रही थी। पुलिस ने स्थिति संभालते हुए युवक को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। प्रोबेशनरी आईपीएस जतिन जैन ने बताया कि अब तक किसी भी पक्ष ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। यदि कोई शिकायत करता है, तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पिटाई खाए युवक को भी समझ आ गया होगा कि चोरी-छिपे मिलने के क्या अंजाम हो सकते हैं!

सात फेरों से पहले आ गई पुलिस, रूक गई नाबालिग की शादी



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट.डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के भिंडा तलावडी गांव में चाइल्डलाइन और पुलिस की संयुक्त टीम ने एक नाबालिग लड़की की शादी को रोकने में सफलता हासिल की। चाइल्डलाइन को पहले ही इस नाबालिग लड़की की शादी की जानकारी मिल गई थी। सूचना मिलने के बाद चाइल्डलाइन ने पुलिस के साथ मिलकर त्वरित कार्रवाई की और शादी की तैयारियों को रोकने के लिए टीम को मौके पर भेजा। जब टीम वहां पहुंची, तो देखा कि बारात पहले ही आ चुकी थी और शादी के पंरपरागत आयोजन, जैसे कि फेरों की तैयारियां हो रही थीं। पुलिस और चाइल्डलाइन की टीम को देखकर शादी वाले घर में अफरातफरी मच गई, क्योंकि वे अचानक इस कार्रवाई को देखकर चौंक गए थे। चौरासी थाने के सब इंस्पेक्टर प्रभुलाल ने बताया कि पुलिस और चाइल्डलाइन की टीम ने तत्काल दुल्हन के जन्म प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेजों की जांच की। जांच में पाया गया कि लड़की नाबालिग थी, और उसकी उम्र विवाह के लिए कानूनी रूप से अपर्याप्त थी। इसके बाद, तुरंत कार्रवाई करते हुए बारात को वापस भेज दिया गया और विवाह समारोह को रुकवाया गया। लड़की के परिवार को इस बारे में कड़ी हिदायत दी गई कि वे लड़की को बालिग होने के बाद ही उसकी शादी कर सकते हैं। साथ ही उन्हें बताया गया कि बाल विवाह कानूनी अपराध है और इसके खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।